

ASHA ARCHIVES

आशा अर्कवाणि
ASHA ARCHIVES

3022

नृसिंह पूजा
८ रेखीन (सामय) ॥
मीराबाई

८/२

रथीगरलमायनमः॥ ॥ ॐ कात्रमाष्टीप
वदन्ति सन्ना. वाचः १३३ नीनामपिर्गगृलन्ति
। गजाननदवगलानमार्थि रुजुरुसूत्रीन्द्रक
मावर्गर्ग ॥ १ ॥ पदानविन्दार्जनमत्यनालार्

संसात्रदावानलरुंगददं निवक्रयनिर्ग
गदानगाये, रुंगीमिविधुधनमवूदारं ॥ २ ॥
हृमांगनागनवक्रक्रमन, मरुलिमालामद
पंकुमां निवात्रयनं गजकर्णुमाले ४ कावि
मै

स्मत्रपूणमनंगनागा ॥ ३ ॥ नीरुङ्गादद
निवासिगीगा, जलसमादाय कर्मावूजनानी
लाहिनानाक्किवमज्जयनं, गजाननीरुक्किय
भावदकि ॥ ४ ॥ क्रमात्रउकीपूननात्मरु

मा० पथाधो पर्वमनाज पूजा० प्रकालय
नं कननी कनन सोऽनु नमं नागमूर्खरुजा
मि॥ ७॥ त्वया समुद्रस्य गजास्य रुक्मं यन्नी
कनायूकनर्नध मूका ॥ यामां गद्यन विचन

निताना कालात्मना भोक्ति कदुल्यरास० ॥ ६॥
की० उन्नमवात्रिनिधे गजास्य वलामनिका
मनिवात्रिपूत ॥ कल्यावसानं प्रविर्चि ल्यदवा०
केलाननार्थमुनिरिमुवन्ति॥ ७॥ नागमनन

नागकृताहनीय की जयत दवक्रमानसैध
वात्सयीकृष्णकालगतिविहाय मोषापशुः क
न्दुकतामिवन्दू ॥ ८ ॥ मदान्नसत्यश्च मूर्खेन
जस्रमध्यापर्यन्तं सकलागमार्थान् । दवानृ

षीरुक्कजनैकमिणं हनन्ममूर्कान्नृणामाध्या
मि ॥ ९ ॥ पदावृजास्यामतिवामनास्या कृता
र्थयन्कृपयाधनिजी ॥ अकानर्णकान्नामा
फवाद्यान्नागवर्कुजनहानिधम ॥ १० ॥

यत्तार्थिर्मसखवगीसूताय पूनालमालिख
विषानकाद्या। मंत्रदुभौलसुनयंमधारि
नानाधमानन्दघनैरुजामि ॥ ११ ॥ पदं
गीनामपदंमुनीनां लीलावतारं पत्रहंसमू

रुं॥ नागालकावापूनालकावा एवयमा
यैरुजविघ्नार्जना ॥ १२ ॥ पाल्नाकूलैरुग्रनदा
ईमिष्टै कनेदधनं कननधूके॥ नमूकाकला
रुं॥ पृथ्वीकनाद्यै॥ सिद्धकर्मगं निनयारुं

जक्ति ॥ १३ ॥ अन्नं कर्म कर्म गजमकदन्तं
चेन न्यद्रूपं जगदादिवीजं । वक्षन्ति यं वक्षः
विदावदन्ति नमोऽस्तु नमो नदी रुजामि ॥ १४
॥ श्री कृष्ण गायानिजवत्सराया मूर्खा वृजाला

कनलालनं । स्मृत्ताननाकुं मदवेरुवन
नृक्षं रुजविद्यविभाहनम् ॥ १५ ॥ यपूर्वः
मात्राध्व गजाननत्वां सर्वानि साश्रुजिप
नितर्षा । त्वत्कानद्यान्यनिवाद्यमने । रु

दक्षिणं सर्वमसह कल्पं ॥ १० ॥ हिमवत्पुत्र
वर्षु जगदीनिगानं कविं पूजानं प्रविमल
सुं गजाननं यप्रविमलिसक सुकालयागे
सुमहोपपद्य ॥ ११ ॥ वदामगीर्णं पूजयिष्ये

न मात्मानमानन्दघनं हृदि सुं गजाननं
यन्महसाजनानां विद्यान्धकानां विलयं
याति ॥ १२ ॥ नृशं समासाद्य जटाकला
यन्महसाख्यं निजयुक्तं नन्दनं दक्षिणं
स्व

सविलासमागच्छा दाकष्टकामः प्रियमाग
नासि ॥ १९ ॥ विद्याकूलानां विनियामनार्थः
यन्नालिकलैः कदलीरुलाद्यैः प्रमात्रयना
मदवानगस्य पापूनेनाहीष्टमदंरुजं हं

॥ २० ॥ यज्ञेन न केवद्वह्निरुपाहि नानाध्वः
मायं गजनावकुं । मुख्यानयाय विधिना शु
वन्ति तसर्वलक्ष्मीनिधयारुजन्ति ॥ २१ ॥
ॐ तिथीमहागणेशस्य स्तुतं समाकं ॥ ॥

ॐ नमः श्री कृष्णाय ॥ अंगलमंगल
मन्त्रमाधवं माधवं माधवं चान्न
लंगल ॥ ॐ नमः कलितमधुलम
धुगः संजगो वधूनादवकीनचनः

॥ १ ॥ वालिका गालिका गालली लाल
या संगमन्दे निर्ताकुल गविशमः ॥
गपिका गीतदन्तावधानः स्वयं सं
जगो ॥ २ ॥ ककि कंका कृगार्ग कय

संज (गो) ॥ ७ ॥ पालिजार्गं समुद्रुयना
प्रवना. नापया मास हा मा हया दंग ए
नवल्वी वृन्द वृन्दानिका कामुक ४ स
ॐ (गो) ॥ ३ ॥ चानूचामी कना हा सिवासा

विदु. वें जय नीरु ना हा सिता न सुल ४
कानु वृन्दावन (ग) पि काम धु ग ४ स
ॐ (गो) ॥ १ ॥ चानूचन्द्रावली लावन च
मिना. (ग) प (ग) वृन्द (ग) पालिका व ३

सूरु४। काकिलालापिनी कामिनीमन्म
थ४ सँज (गो) ॥ ८ ॥ कानकानालसः
कुधुलपसून लकीउनवक्रसाकादि
वस्यया। कीसकीसाठवीदारुदावान
का

न४ सँज (गो) ॥ ९ ॥ मन्दमन्दानिल (गो)
कलनागन पावन कामल धूतचूतानि
लपूष्यसन्धवनदवसंधरुल सँज
(गो) ॥ १० ॥ दानकायाकल काकिलका

कमा. --- कूजिन सुखन कामल. ला
लरं गभवलो नीलकण्ठवलो. सुखग
॥ ११ ॥ एगपिकावा द्रवर्द्धवर्तसा. विन
काननं यावर्द्धसत्राधिरसद्विनीलनभ

धीमुखनिर्मल. संजगो वनूनादवः
कीनन्दना ॥ १२ ॥ ॥ नूनिधीविल्व
मंगलविनचिर्न. नासकी जावर्द्धनका
र्गसम्पूर्ण ॥ ॥ श्रीरामपालपीतिनमु ॥

~~ॐ नमानवप्रहस्यः ॥~~ कारिक उवाच ॥
देवदेव महादेव उगदर्वच नाचरं । न
वग्रह कथं प्राकं भक्तिम् किं कथं कृतं
॥ ॥ ~~श्रीगुरु उवाच ॥~~ शृणु पूरा सदा शृणु

॥
नवप्रीमर्द सदा । देवा सुन प्रवर्द्धन्तः । ना
गभक्त विनाशनैः ॥ ~~क्रौं~~ पाशु द्वादशदि
श्व सूर्यमधुलसस्त्रिणा । सर्वान्न हृदय
पाशु वनाहपनिलकृत् ॥ १ ॥ ~~क्रौं~~ पाशु

धातुहाकला चतुमधुलसस्त्रिगावामा
कागविशुद्धस्त्रिगावामा ॥ २ ॥
संयागुर्मविघ्ननाजा. (गघमधुलसस्त्रिगा
अंगानामाप्रवर्धु ॥ नादिगा (ज्ञामहीसूग

शा ३ ॥ ॐ श्रीपातु अन्नकश्च दणदलस्त्रि
नस्त्रिधा ॥ अग्निमधुलमधुस्त्रिगा. वीह्वधर्मा
यनायदाशा ॥ ४ ॥ ॐ पातुगुनूवात्रत्र. खदु
नपातुयास्त्रिगा. वदवदाद्मम (क्षर्षसर्व

विद्याविष्णुप्रद ॥ ७ ॥ ~~मं~~ पायु शुक्र धा शुभ्र
सर्वकार्यविष्णुप्रद । मृतसंजीविनी विः
द्या सर्वशुभकृते जगत् ॥ ८ ॥ ~~मं~~ पायु शुभने
श्रुतश्च सर्वशुक्रविनामिनी ॥ ९ ॥ आह्लाचक

स्मितादवी महाकालिशुभकरी ॥ १० ॥ ~~मं~~ पा
युनादु शुभ्र उर्ध्व । भयनादनम विगायम्भ शुभ
ननेनवा पायु । सर्वकालनिवापर्व ॥ ११ ॥
~~मं~~ पायु कयुनामश्च । सर्वज्ञनागर्जुनिनी ॥

जलापिपासर्वकार्य सर्वजीवसत्रीनकेशा
॥५॥ ॐ नमो नवग्रहेशा कं दवानामपि दू
ल्लरं यं यं चिन्तयते कामं ग्रह हन विना
गर्न ॥ १० ॥ प्रवात्रावेदूर्य यधु मानिक ॐ

दनीलकेशा पूषा नागकटककंदे प्यघ्ननाग
घ्ननावने ॥ ११ ॥ य ४ य १० न्निह्यपा ० ध्रु
सर्वनागविनागर्न ॥ पूरुकि कं सर्वदेहध्रु
नवग्रहप्रकीर्तिना ॥ १२ ॥ ॥ ॐ नमो

श्रीनृदयामलं श्रीहनूकृमानसखादन
वग्रहकवचसमायुक्तं ॥ ॥ गुरुहृदयि ॥
ॐ श्रीहनुमते नमः ॥ ॥ हनुमान नन्दिनीसूनु
र्वायुयुत्रो महाबलः रामेशः काल्युगासखः पि

गाक्षो मत्तविक्रमः ॥ उदधिक्रमराश्चैव सी
ताशोकविनाशनः ॥ लक्ष्मणाप्राणादाता च
दशग्रीवस्य दयहा ॥ द्वादशैतानि नामानि क
पीन्दुस्य महात्मनः ॥ स्वायकालेष्वधीचया

त्राकालेतथैवच॥तस्यसर्वभयंनस्तिरक्षे
चविजयीभवेत्॥ ॥ इति श्रीहनुमद्भाद
शनामस्तोत्रं संयुक्तम् ॥ ॥

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

3022

ASHA ARCHIVES

गुरुनारायण
ASHA ARCHIVES

3022

~~1312 115 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 10~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गङ्गा यामुद्रां दधामि नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते

महोपाध्यायः नमो भगवते नमो भगवते
॥ ॐ नमो भगवते नमो भगवते ॥
गङ्गा यामुद्रां दधामि नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ

॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥

ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥